Q.P. Code :01803

[Time: 2 $\frac{1}{2}$ Hours] **[Marks : 70]**

Please check whether you have got the right question paper.

N.B:
1. Attempt any **Six Questions** of the following out of which Q.9 is compulsory.
2. Marks are indicated against each question.
3. Students answering in regional language should refer in case of doubt, to the main tent of the paper in English.

1. "Education plays a significant role in cultivating respect for diversity". Explain the role of education in respecting religious diversity. **10**

2. Explain the significance of **any five D**irective Principles of State Policy for education system of contemporary India. **10**

3. "Gender stratification leads to marginalization of a section in the society". Justify with reference to concept and causes of gender stratification. **10**

4. Elucidate the basic features and objectives of Sarva Shiksha Abhiyaan (SSA) **10**

5. Elaborate **any five** salient features of the National Policy of Education (NPE – 1986) **10**

6. 'Hunter Commission of 1882 promotes education for the masses'- Justify. **10**

7. Explain the curricular and co-curricular activities organized by schools to address regional diversity. **10**

8. Explain the implication of Right to Education (RTE, 2009) with reference to the present content. **10**

9. Write short notes on any four of the following : **20**

a) Causes of Linguism
b) Impact of stratification on the basis of caste
c) Values in the Preamble of the Indian Constitution
d) Merits of Nai Taleem
e) Four goals of Indian Education Commission (1964-66)
f) Characteristics of Open Learning System

Q.P. Code :01803

(मराठी भाषांतर)

[Time: 2 $\frac{1}{2}$ Hours] **[Marks:70]**

Please check whether you have got the right question paper.

१. 'विविधतेसाठी आदर रुजविण्यात शिक्षण महत्त्वाची भूमिका बजावते'- धार्मिक विविधतेचा आदर विकसित करण्यास शिक्षणाची भूमिका स्पष्ट करा. **(१०)**

२. सद्यकालीन भारताच्या शिक्षण व्यवस्थेत कोणतेही पाच राज्य मार्गदर्शक नीति तत्त्वांचे महत्त्व स्पष्ट करा. **(१०)**

३. "लैंगिक स्तरिकरणामुळे समाजातील एका विभागाचे सिमांतीकरण होते" लैगिक स्तरिकरणाच्या संकल्पना व कारणांच्या संदर्भात समर्थन करा. **(१०)**

४. सर्व शिक्षण अभियानाची (SSA) मुख्य वैशिष्टये आणि उद्दिष्टे विशद करा. **(१०)**

५. राष्ट्रीय शिक्षण आयोग (NPE - १९८६) ची कोणतीही पाच मुख्य वैशिष्टये सविस्तर लिहा. **(१०)**

६. "हंटर आयोग (१८८२) बहुजनांच्या शिक्षणास प्रोत्साहन देतो." समर्थन करा. **(१०)**

७. प्रादेशिक विविधतेस चालना देणारे शाळेव्दारे आयोजित, शालेय व सहशालेय उपक्रम स्पष्ट करा. **(१०)**

८. शिक्षणाचा हक्क (RTE २००९) चे वर्तमान संदर्भातील महत्त्व स्पष्ट करा. **(१०)**

९. **खालीलपैकी कोणतेही चार सोडवा.** **(२०)**

अ) भाषावादाची कारणे,
ब) जातीवर आधारित स्तरिकरणाचे परिणाम,
क) भारतीय संविधानाच्या प्रस्तविकातील मुल्ये,
ड) नई तालीमचे फायदे,
इ) भारतीय शिक्षण आयोग (१९६४-६६) ची चार ध्येये,
फ) मुक्त अध्ययन प्रणालीची वैशिष्टये

Q.P. Code :01803

(हिंदी अनुवाद)

[Time: $2\frac{1}{2}$ Hours] **[Marks:70]**

Please check whether you have got the right question paper.

१. 'विविधता के प्रति आदर का निरुपण करने में शिक्षा महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है'- धर्म विविधता के प्रति आदर करने में शिक्षा की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

२. समकालीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिये उपलब्ध किन्हीं पाँच राज्य के नीती निर्देशक सिद्धांतों के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

३. 'लैंगिक स्तरीकरण के कारण समाज का एक भाग हशिये पर खडा है'- लैंगिक स्तरीकरण की संकल्पना व कारणों के संदर्भ में न्यानोचित कीजिए। **(१०)**

४. सर्व शिक्षा अभियान (SSA) की मुख्य विशेषताओं एवं उद्दिष्टों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

५. राष्ट्रीय शिक्षण आयोग (NPE - १९८६) की किन्हीं पाँच मुख्य विशेषताओं का विस्तारीकरण कीजीये । **(१०)**

६. 'हंटर आयोग (१८९२) जन-शिक्षा को प्रोत्साहित करता है'- न्यायोचित कीजिए। **(१०)**

७. प्रादेशिक विविधता को बढावा देने के लिये, पाठशाला व्दारा आयोजित किए जानेवाले शालेय तथा सहशालेय उपक्रम स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

८. शिक्षा का आधिकार (RTE २००९) के महत्त्व को समकालीन संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

९. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर संक्षिप्त में लिखिए :- **(२०)**

अ) भाषावाद के कारण
ब) जाति आधारित स्तरीकरण के परिणाम
क) भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्य
ड) नई तालीम के फायदे
इ) भारतीय शिक्षा आयोग (१९६४-६६) के चार ध्येय
फ) मुक्त अध्ययन प्रणाली की विशेषताएँ